परम पू. कैलाश जी 'मानव'

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

# सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-11 ● अंक » 130 ● मुद्रण तारीख » 1 अक्टूबर-2022 ● कुल पृष्ठ » 36

## लगाके हाथों में मेहंदी...50 बेटियां साजन के घर चली...

38वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

## पर्यावरण एवं स्वच्छता का दिया संदेश

# हर घर खुशियों की दीपावली

दिव्यांग एवं गरीब बच्चों के चेहरे पर
खुशियां लाने का प्रयास
आपका भी हो एक उपहार

**सहयोग करें**

**₹ 1100**

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं. : +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

1 अक्टूबर, 2022

वर्ष 11 अंक 130 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 36

**संपादक मंडल**

मार्ग दर्शक कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

**संपर्क (कार्यालय)**

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

Web www.narayanseva.org
E-mail info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 October, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 36 ( No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

# सेवा सौभाग्य

## विजया दशमी व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

**इस माह में** पाठकों हेतु

उदयपुर सेवा का पर्याय: डॉ.वीरेंद्र 09

कुणाल को मिला नवजीवन 11

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह 12

दोनों दिव्यांग - बनें हम कदम 20

मन में विश्वास, कदमों में गति 22

यूएसए में सेवा की अलख 23

# धैर्य में ही कामयाबी

**यदि हम आशावान बनकर सफलता के प्रति आसक्त हैं, तो हर हाल में सफलता प्राप्त होगी। लेकिन धैर्य भी रखना होगा। जल्दबाजी से काम सुधरते नहीं, बिगड़ते ही हैं। व्यक्ति को निराशा के भंवरजाल में फंसने से बचना चाहिए।**

मनुष्य जीवन आशा और निराशा का मिश्रण है। कभी हम यह सोचते हैं कि ऐसा करेंगे तो हमें सफलता मिल सकती है, लेकिन दूसरे ही पल हमें अपनी ही सफलता संदिग्ध लगने लगती है और हम फिर किंतु-परंतु के चक्कर में पड़ जाते हैं। यह हम पर निर्भर है कि हम किस दृष्टिकोण को अपनाते हैं। यदि हम आशावान बनकर सफलता के प्रति आसक्त हैं, तो हम हर हाल में सफलता को प्राप्त करेंगे,लेकिन यदि हम निराशा के भंवरजाल में फंसकर यह चिंता करने लगेंगे कि हम सफल हो पाएंगे या नहीं, तो हमारी सफलता भी संदिग्ध हो जाएगी।

गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ एक जगह से दूसरी जगह भ्रमण करते रहते थे। इस दौरान वे आसपास होने वाली घटनाओं से भी जीवन में सुख - शांति बनाए रखने के उपदेश देते रहते थे। एक दिन वे अपने शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ते में एक खेत में बहुत सारे गड्ढे खुदे हुए थे। एक ही खेत में इतने सारे गड्ढे देखकर सारे शिष्य हैरान थे। किसी को भी समझ नहीं आ रहा था कि आखिर किसी ने एक साथ इतने गड्ढे क्यों खोदे हैं। शिष्यों ने बुद्ध से पूछा, तथागत! कृपया बताएं, एक खेत में इतने सारे गड्ढों का क्या रहस्य है? बुद्ध ने कहा, इस खेत के मालिक ने पानी की खोज करते हुए इतने गड्ढे खोद दिए हैं। वह कुआं खोद रहा था, लेकिन उसमें धैर्य की कमी थी। थोड़ा सा गड्ढा खोदने पर पानी नहीं निकला तो उसने दूसरा गड्ढा खोदना शुरू कर दिया। दूसरे में पानी नहीं निकला तो तीसरा गड्ढा खोदा। इसी तरह उसने खेत में जगह-जगह गड्ढे खोद दिए। अगर धैर्य के साथ एक ही जगह पर खोदता रहता तो उसे भूजल जरूर मिल जाता। बंधुओं ! कभी - कभी ऐसा होता है कि हम पूरी उम्मीद और निष्ठा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करते हैं, लेकिन लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में भी हमें आशा और धैर्य का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

'सेवक' प्रशान्त भैया
संस्थान अध्यक्ष

# सत्संग की महिमा

**पृथ्वी पर मौजूद सभी प्राणियों पर प्रभु सदैव कृपा करते हैं। क्योंकि वे ''सहज कृपाला-दीन दयाला हैं। 'ज़रूरत इस बात की है कि हम पूर्ण समर्पण भाव से उनका स्मरण करें। भगवत्कृपा प्राप्त व्यक्ति का जीवन न केवल सार्थक हो जाता है, बल्कि वह दूसरों को भी मुश्किल से उबार लेता है।**

राजा जनक ने सत्संग का आयोजन किया। जब सत्संग का आरम्भ होने ही वाला था कि एक काला विषधर सभा में आया। सत्संगकर्त्ता अष्टावक्र ऋषि ने योगबल से सर्प का अतीत देखकर सभाजनों से कहा, भयभीत न हों, यह पूर्व सम्राट राजा अज हैं। सत्संग की पूर्णाहुति पर सर्प की जगह एक देवपुरूष की आकृति उभर आई। उस देवपुरूष ने राजा जनक का माथा चूमते हुए कहा-पुत्र हो तो तेरे जैसा। तुम्हारे इस आयोजन के फलस्वरूप मुझे दुखद योनि से छुटकारा मिला। राजा अज ने पार्षदों के साथ स्वर्ग की ओर प्रस्थान किया। राजा जनक को अन्य पूर्वजों के भी दर्शन की इच्छा हुई। वह योगबल से यमपुरी पहुंचे। उन्हें देख यमराज बोले, ''जनक, आप सीधे स्वर्ग में नहीं जा सकते, नरक के रास्ते ही जाना पड़ेगा। मार्ग मे नारकीय जीवों का क्रंदन जय-जयकार में बदल गया। यमदूत बोले, महाराज आपने गुरूदीक्षा ली है और गुरूत्व व आत्मबल आपका दृढ़ है। आपको छूकर बहती हवा पापियों के पाप-ताप को निवृत्त कर रही है इसलिए वे जय-जयकार कर रहे हैं। जनक ने यमदूतों से कहा, यदि मेरे यहां रूकने से इन्हें शांति मिलती है तो मैं यहां ठहरता हूं। उसी समय नरक के अधिष्ठाता ने जनक से कहा, राजन! आप पुण्यात्मा हैं। कृपया अब आप स्वर्ग की ओर प्रस्थान करें। जनक बोले, यदि ऐसा ही है तो इनके कल्याण के लिए मैं अपने सारे पुण्य अर्पित करता हूं।उसी समय यमराज स्वयं वहां पधारे और बोले, जनक! इन्हें अपने पुण्य अर्पित करने से तो आपको महापुण्य प्राप्त हुआ है। जनक बोले, मैं अपना महापुण्य भी इनके कल्याण हेतु अर्पित करता हूं। फिर तो साक्षात नारायण आ गए और बोले, जनक, अब तो तुम्हें परम पुण्य प्राप्त हुआ है। तुम्हारे जैसे महात्मा जहां जाते हैं वहीं मेरा और बैकुंठ का प्राकट्य हो जाता है। जनक बोले, भगवन, मुझे तो पता ही नहीं था कि सत्संग, संत-सानिध्य का इतना व्यापक महत्व है। इस तरह नारायण के आशीष से नरकवासियों को मोक्ष प्राप्त हुआ और राजा जनक पुनः पृथ्वी पर लौट आए।

कैलाश 'मानव'
संस्थापक-चेयरमैन

# माधुर्य से समाधान

**आत्म विश्वास और सद्व्यवहार से कठिन से कठिन कार्य भी आसान हो जाते हैं। जरूरत पड़ने पर यदि शत्रु को मित्र बनाने की चेष्टा की जाए तो आसन्न संकट हल हो जाता है। ऐसे जो लोग होते हैं, उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं।**

एक राजा ने सपना देखा। सपने में एक साधु ने उससे कहा कि कल रात तुम्हें एक विषैला सांप काटेगा और उसके काटने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह तुमसे पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। सुबह राजा सोकर उठा। सपने पर विचार करने लगा कि उसे अपनी आत्म रक्षा के लिए क्या उपाय करना चाहिए? आखिर में वह इस निर्णय पर पहुंचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है।

शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शैया तक फू लों की सतह बिछवा दी। सुगंधित जल का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह-जगह रखवा दिए और सेवकों को भी सांप को हानि न पहुंचाने का आदेश दे दिया। रात को सांप राजा के महल की तरफ चल दिया। वह जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, अपने लिए की गई स्वागत व्यवस्था को देखकर आनन्दित होता गया। कोमल बिछोने पर लेटता, मनभावनी सुगंध का रसास्वादन करता, जगह-जगह मीठा दूध पीता हुआ आगे बढ़ रहा था। इस तरह क्रोध के स्थान पर सन्तोष और प्रसन्नता के भाव उसमें उत्पन्न होने लगे। क्रोध कम होता गया। प्रवेश द्वार पर प्रहरियों ने भी उसे कुछ नहीं कहा। यह असाधारण सा लगने वाला दृश्य देखकर सांप के मन में स्नेह उमड़ आया। सद्व्यवहार, नम्रता, मधुरता ने उसे मंत्रमुग्ध कर लिया था। अब उसके लिए अपना कार्य असंभव हो गया। हानि पहुंचाने के लिए आने वाले शत्रु के साथ जिसका ऐसा मधुर व्यवहार है, उस धर्मात्मा व्यक्ति को काटूं तो कैसे? वह दुविधा में पड़ गया।

राजा के पलंग तक जाते सांप का निश्चय बदल गया। राजा के पास पहुंचकर सांप ने राजा से कहा, 'राजन! मैं तुम्हें काटकर पूर्व जन्म का बदला लेने आया था, परन्तु तुम्हारे सद्व्यवहार ने मुझे हरा दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार में अपनी बहूमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं। मणि राजा के सामने रखकर सांप चला गया। जीवन में ऐसा ही होता है। अच्छा व्यवहार कठिन से कठिन कार्यो को सरल बनाने का माद्दा रखता है। व्यवहार कुशल व्यक्ति वो सब कुछ कर पाता है, जो पाने की हार्दिक इच्छा रखता है।

# अंधेरे के विरूद्ध संघर्ष का पर्व दीपावली

**हमारी संस्कृति में आनंद की संकल्पना त्रिविध अर्थात् दैहिक, दैविक और भौतिक ताप से मुक्ति की है। दीपावली के उत्सव में भगवान धन्वंतरि से हम स्वास्थ्य व देवी लक्ष्मी से भौतिक समृद्धि की कामना करते हैं। नरकासुर के आख्यान से नारी शक्ति के सम्मान व भैया दूज पर यम का पूजन कर मृत्यु से मुक्ति का वरदान मांगते हैं। सबसे बड़ी बात तो यह कि अनाचार के प्रतीक रावण वध से अन्याय के विरूद्ध सतत् संघर्ष की प्रेरणा लेते हैं।**

त्रेता युग में रावण वध के बाद भगवान, श्री राम पत्नी सीता और छोटे भाई लक्ष्मण के साथ वनवास समाप्त कर पुनः अयोध्या लौटे तो उनके स्वागत में उनके भाईयों भरत - शत्रुघ्न व माताओं सहित अयोध्यावासियों ने नगर में घी के दीपक जलाए थे। तब से यह दिन, त्योहार के रूप में प्रचलित हुआ। यह ऐतिहासिक घटना कार्तिक मास की अमावस्या को हुई थी।

## धन्वंतरि जयंती

समुद्र मंथन में कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि हाथों में औषधि कलश लेकर प्रकट हुए थे। वे आयुर्वेद के जनक हैं। जब समुद्र मंथन में हलाहल विष बाहर निकला तो भगवान शिव ने उसे पी लिया था, तब धन्वंतरि ने ही भगवान शिव को अमृत पान करवाया था। इस दिन भगवान धन्वंतरि के स्वागत में दीपक जलाए जाते हैं। इस दिन खरीदारी का चलन है। देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के लिए इसी दिन मूर्तियां भी खरीदी जाती हैं। इस दिन धन्वंतरि के नाम के दीये जलाए और आरोग्य का आशीर्वाद मांगा जाता हैं।

## गोवर्धन पूजा

द्वापर में इंद्र ने कुपित होकर जब मूसलाधार बारिश की तो श्रीकृष्ण ने गोकुलवासियों व गायों की रक्षार्थ और इंद्र का घंमड तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्वत, छोटी अंगुलि पर उठा लिया था। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष के पहले दिन हुई इस घटना में इंद्र का अंहकार टूटा। उन्होंने भगवान से माफी मांगी। इस दिन श्रीकृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया जाता है। अन्नकूट प्रसाद भी दिया जाता है। गाय के गोबर से भगवान की प्रतिकृति बनाकर पूजा की जाती है। गायों को सजा धजाकर गुड़ व चावल खिलाए जाने का भी विधान है।

## नरक चतुर्दशी

द्वापर युग में नरकासुर दैत्य का वध कर श्रीकृष्ण ने 16 हजार 100 स्त्रियों को उसकी कैद से मुक्त करवाया था। भगवान ने उन्हें रूपवती होने का आशीर्वाद दिया था। उन स्त्रियों ने जब भगवान से खुद को पत्नी के रूप में स्वीकार करने की प्रार्थना की तो भगवान ने मर्यादा की रक्षार्थ उनका प्रस्ताव मान लिया था। यह घटना कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को हुई थी। इसी घटना - की स्मृति में नरक चतुर्दशी (रूप चौदस या छोटी दीपावली) मनाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की पूजा और उनसे प्रार्थना का यह खास दिन है।

## भाईदूज

दीपोत्सव के पांचवें और अंतिम दिन को भाईदूज या यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि सूर्यपुत्री यमुना के भाई यमराज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को उनके घर आए थे। यमुना ने यमराज को टीका लगाकर वरदान मांगा था कि इस दिन कोई बहन अपने भाई को टीका लगाकर उसका आदर-सत्कार करे तो उसे आपका भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहा। तब से यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन बहनें, भाईयों की लम्बी उम्र व उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। भाई रक्षा का संकल्प लेते हैं।

# पेप्सिको टीम ने देखी दिव्यांगजन सेवा

**वरिष्ठ निदेशक श्री रिन्केश सतीजा, एचआर निदेशक सुश्री पवित्रा सिंह और निदेशक श्री ईश्वर मूर्ति व टीम के सदस्यों ने प्रज्जवलित किया सेवा का दीप**

कविता

# आंखों में नमी नहीं, जज्बातों में कमी नहीं

माना कि इनकी आंखों में नमी नहीं होती
पर इनके दिलों में जज्बातों की कमी भी नहीं होती
प्यार जताने का इनका अलग ही तरीका होता है।
कभी डांटते हैं, कभी गुस्सा करते हैं।
कभी हुक्म चलाते हैं, तो कभी - रोब भी जमाते हैं।
सीधे-सीधे ये बात कोई बताते नहीं
फिक्र हमारी सबसे ज्यादा करते हैं। **हां ये पुरूष हैं**
दफ्तर और घर को लम्बी उम्र तक बैलेंस करते हैं।
हालातों से तो ये भी लड़ते हैं
कभी मां को कह नहीं पाते,
कभी बीबी को कहना नहीं चाहते
और नाराजगी दोनों से सहते रहे हैं।
वैसे तो ये निडर हैं पर रिश्तों को खोने के
डर से अक्सर ये डरते हैं। **हां ये पुरूष हैं**
बातों में सख्ती, कंधो में मजबूती
और सीना फौलादी रखते हैं।
पर आंगन से जब उठती है
डोली सबसे ज्यादा यही रोते हैं। **हां ये पुरूष हैं**
बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की
जिम्मेदारी यहीं उठाते हैं
ख्वाहिशों को खुद की कफन चढ़ाके
अपनी पूरी जान ये जलाते हैं। **हां ये पुरूष हैं**
जब भी कोई मुसीबत आती है
परिवार से पहले इनसे टकराती है।
अरे कुछ नहीं होगा चिन्ता छोड़ो और सो जाओ मैं हूं ना
कहकर सबकों सुलाते हैं और फिर उसी चिन्ता में
खुद को पूरी रात जगाते हैं। **हां ये पुरूष हैं**
जिन्दगी भर परिवार के लिए जीते हैं
आधा से ज्यादा जिन्दगी ये घर से बाहर जीते हैं
कर्ज और सामाजिक फर्ज में ही
उम्र सारी गुजर जाती है।
खुद के लिये भी क्या ये लगातार जाते हैं।
पिता, पति, भाई या दोस्त इनका हर रूप निराला है।
कभी न कभी किसी न किसी ने
हमें हर वक्त हरदम सम्भाला है।
हां ये सच है कि इन्सान को जन्म देती है औरत
पर इनके बिना भी क्या कोई वजूद हमारा है।
-कमलेश कालरा

# उदयपुर सेवा का भी पर्याय: डॉ. वीरेंद्र

## केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने का किया सम्मान

उदयपुर दुनिया में एक ऐतिहासिक शहर के रूप में पहचान तो रखता ही है, यह सेवा का भी पर्याय है। दीन-दुखियों ओर वंचितों की सेवा ईश्वर की ही पूजा है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने नारायण सेवा संस्थान के सेवामहातीर्थ परिसर में 4 सितम्बर को 501 दिव्यांगजन के निःशुल्क ऑपरेशन एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की सेवा चिकित्सा पुनर्वास व रोजगार के क्षेत्र में राज्य व केंद्र सरकारें तो काम कर ही रही हैं लेकिन जब नारायण सेवा संस्थान जैसे सामाजिक संस्थान और व्यक्ति समूह आगे बढ़ते हैं तो सरकार के प्रयास और अधिक सार्थक हो जाते हैं। इस विषय मे उन्होंने केंद्र की अनेक योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक-एक मुट्टी आटा संग्रहण से रोगियों की भोजन सेवा से शुरू हुआ नारायण सेवा संस्थान आज दिव्यांगों के विश्वास व सम्बल का प्रतीक बन गया है। उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के तहत संस्थान को हर सम्भव सहयोग की घोषणा की। इससे पूर्व संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी मानव ने डॉ.वीरेंद्र का साफा, शॉल उपरना और अभिनन्दन पत्र भेंट कर स्वागत किया। उन्हें मेवाड़ के स्वाभिमान व शौर्य की प्रतीक चेतक पर सवार महाराणा प्रताप की प्रतिमा भी भेंट की गई।

अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने संस्थान की 38 वर्षीय सेवायात्रा का जिक्र करते हुए कहां कि संस्थान अब तक 4 लाख 31 हजार से अधिक ऑपरेशन के साथ ही हजारों दिव्यांगों को सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग और कैलिपर भी वितरण कर चुका है। पुनर्वास प्रकल्प में 2201 जोड़ों की गृहस्थी बसाई गई हैं। आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अनेक रोजगार परक प्रशिक्षण भी चलाए जा रहे हैं। मंत्री महोदय ने देश के विभिन्न प्रान्तों से सर्जरी के लिए आए दिव्यांग एंव उनके परिजनों से भी मुलाकात की। समारोह में श्रीमती कमल वीरेंद्र का निदेशक वंदना अग्रवाल ने शॉल एंव गुलदस्ता देकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग उपनिदेशक मानधाता सिंह, अम्बेडकर सोसायटी के अध्यक्ष शैलेन्द्र चौहान, किशन खटीक, चितौड़ के समाज सेवी कन्हैया लाल, ट्रस्टी-निदेशक देवेन्द्र चौबीसा व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। संचालन महिम जैन ने किया।

# टेढ़ापन हुआ दूर, चंद्रशेखर चलने को तैयार

उत्तर प्रदेश आगरा निवासी दिनेश कुमार के घर दस साल पहले पहली संतान के रुप में बेटे के जन्म लेने से घर परिवार एंव सगे सम्बन्धियों में खुशी का माहौल बन गया। पिता भारत की सीमा पर तैनात इंडियन आर्मी में जवान है। दिल में देशप्रेम की भावना के साथ माता - पिता ने बेटे का चंद्रशेखर नाम रखा। चंद्रशेखर अब हँसते - खेलते डेढ़ साल का हो गया था, सब कुछ अच्छा चल ही रहा था की अचानक से तबियत खराब हुई, तेज बुखार के साथ पूरे शरीर में दर्द से परेशान चंद्रशेखर को उपचार हेतु लेकर गए, जाँच में पता चला कि बच्चा पोलियों का शिकार हो गया है, कुछ दिनों बाद स्थिति और बिगड़ने लगी। बहुत से अस्पतालों में उपचार के लिए चक्कर लगाए पर कहीं से भी ठीक होने के आसार नहीं मिले। जैसे -जैसे समय निकलता गया, वैसे - वैसे बांया पांव घुटने से टेढ़ा होता गया।

चंद्रशेखर के चार से पांच साल के होने पर भी कही से कुछ उपचार नहीं मिला। पास के ही स्कूल में दाखिला करवाया परन्तु स्कूल आने-जाने और अपने दैनिक कार्य करने में बहुत परेशानी होती थी। कुछ दिनों पहले गाँव के ही दो व्यक्तियों द्वारा जानकारी मिली कि राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित नारायण सेवा संस्थान निःशुल्क पोलियों ऑपरेशन करती है। उपचार और संस्थान के बारे में सुन उम्मीद की किरण दिखाई दी। तत्काल ही चाचा मानवेन्द्र चंद्रशेखर को 20 जून 2022 को उदयपुर संस्थान लेकर आए। यहां डॉक्टर द्वारा जाँच कर 24 जून को बांये पांव का सफल ऑपरेशन हुआ। करीब एक माह बाद पुनः बुलाने पर 28 जुलाई को आये और 20 जुलाई को प्लास्टर खोला गया। अब पांव का टेढ़ापन बिलकुल ठीक हो गया। 1 अगस्त को पैर के लिए विशेष केलिपर्स व जूते तैयार कर पहनाए गए साथ ही चलने की ट्रेनिंग भी दी। चंद्रशेखर पूरी तरह से स्वस्थ एंव बहुत खुश है, अपने पांव पर आराम से चलने लगा है, ये देख परिवारजन भी बहुत प्रसन्न हैं।

# कुणाल को मिला नवजीवन

जयपुर जिले के कुम्हारों का मौहल्ला निवासी शंकर लाल के घर तीन बेटियों के बाद बेटे का जन्म हुआ। परिवार और सगे - संबंधियों में खुशी का माहौल था। माता - पिता ने बेटे का कुणाल नाम रखा। सब कुछ अच्छा चल रहा था, की एक दिन की अचानक कुणाल की तबीयत खराब हो गई।इस पर माता - पिता ने नजदीक के अस्पताल में दिखाया परन्तु स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, फिर उसे एक बड़े अस्पताल में दिखाया जहाँ जाँच के बाद पता चला की बेटे के जन्म से दिल में छेद है। हृदय की गम्भीर बीमारी से पीड़ित कुणाल को साँस लेने में बहुत दिक्कत होती है।

यह सुन माता-पिता के पैरों तले जमीन ही खिसक गई। सभी परिजनों के होश उड़ गए। डॉक्टरों ने बताया कि 10 माह के कुणाल के बचने का एकमात्र विकल्प ऑपरेशन ही है। जिस पर 1,50,000 का खर्चा होगा। रंगाई पुताई की मजदूरी कर 4000 से 5000 रुपए मासिक कमाने वाले शंकर लाल गरीबी और निर्धनता के चलते परिवार का गुजारा भी बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं, ऐसे में ऑपरेशन का इतना भारी - भरकम खर्च जुटाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन था। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था की इस परिस्थिति से कैसे पार पाया जाए। बेटे के ऑपरेशन के लिए दिन-रात मेहनत मजदूरी करने में लग गए। इसी बीच रंगाई-पुताई का काम करते हुए शंकर ने घर मालिक को अपनी वेदना बताई। उन्हें सोशल मीडिया यूट्यूब के माध्यम से मानव सेवा में समर्पित नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी मिली। बिना समय गवाए शंकर ने 22 अगस्त 2022 को संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल से सम्पर्क कर अपनी आर्थिक स्थिति (निर्धनता) एवं बेटे की गंभीर बीमारी की पीड़ा से अवगत कराया। परिवार की पीड़ा को समझते हुए संस्थान के सहयोग से कुणाल का निःशुल्क ऑपरेशन जयपुर के नारायण मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में 25 अगस्त 2022 को सफलतापूर्वक हुआ।

इलाज का समस्त खर्च संस्थान और दादा कान लखानी द्वारा वहन किया गया। ऑपरेशन के बाद आज कुणाल पूर्णतया स्वस्थ है तथा सामान्य जीवन जी रहा है। आभार व्यक्त करते हुए माता-पिता की आँखों से खुशी के आँसू निकल पड़े और बोले कि संस्थान ने हमारे बेटे को ही नवजीवन नहीं दिया अपितु पूरे परिवार को जीवन दान दिया है।

# दिव्यांग-निर्धन विवाह ने दिया पर्यावरण एवं स्वच्छता का संदेश

## सामूहिक विवाह में 50 जोड़ों का बसा घर...

नारायण सेवा संस्थान के 38वें निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवती विवाह समारोह 28-29 अगस्त को सेवा महातीर्थ में 50 जोड़े ने हल्दी की रस्म अदा की। विवाह सूत्र में बंधने वाले युवक-युवतियां पीले परिधानों में सजे-धजे थे। विवाह गीतों की धुनों व नृत्य के बीच परिजनों एवं कन्यादानियों ने दुल्हा-दुल्हनों को हल्दी का उबटन लगाकर हल्दी रस्म निभाई। इसके बाद मेहंदी रस्म की अदायगी संस्थान सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल एवं निदेशक वंदना अग्रवाल ने जोड़ों को पंक्तिबद्ध बैठाकर हाथों और पांवों में मेहंदी लगाई। खुशी और आनन्द का सैलाब ऐसा था कि पधारे हुए अतिथियों की दो टीमों में विवाह गीतों की अन्ताक्षरी हुई। शहर के प्रमुख समाज सेवी हरीश राजानी, कमल पाहुजा एवं श्रद्धा गट्टानी ने परिणय सूत्र में बंधने वाले जोड़ों को अग्रिम आशीष दिया।

## ठाठ से निकली दिव्यांग - निर्धन जोड़ों की बिन्दोली

सामूहिक विवाह की पूर्व संध्या पर निकली बिन्दोली को संस्थान संस्थापक पद्म श्री कैलाश जी मानव, महापौर गोविन्द सिंह टांक, उप महापौर पारस सिंघवी व संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने झण्डी दिखाकर नगर निगम परिसर से रवाना किया। जो सूरजपोल, बापू बाजार, देहली गेट, टाऊन हॉल रोड होते हुए पुनः निगम परिसर में पहुंची। बिन्दोली में विभिन्न प्रांतो से आए अतिथियों ने दिव्यांगों पर स्नेह का ऐसा उल्लास बिखेरा कि जहां से भी बिन्दोली गुजरी वहां खड़े लोग भी फूल बरसाते हुए झूम उठे। लकदक रोशनी के साथ निकली इस बिन्दोली में 50 जोड़े बग्गी - जीपों में सवार थे। बिन्दोली में शामिल स्त्री - पुरुषों ने देशभक्ति और विवाह के गीतों पर जमकर ठुमके लगाए।

बिन्दोली में ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा, विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़, रजत गौड़, दिनेश वैष्णव, नरेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह शेखावत मौजूद रहे। संचालन महिम जैन ने किया। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच पवित्र अग्नि को साक्षी बनाकर सात वचन लेकर एक-दूसरे के हो गए।

## देवस्थान मंत्री ने दिया सुखमय जीवन का आशीर्वाद

मुख्य अतिथि राज्य की उद्योग एवं देवस्थान मंत्री शुकन्तला रावत ने अपने वीडियो संदेश में नव दंपतियों को स्वस्थ, समृद्ध और सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया। और संस्थान की सराहना करते हुए कहा अगर नारायण सेवा नहीं होती तो दिव्यांगों का इलाज कैसे हो पाता। साथ ही राज्य सरकार से हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। समारोह के सम्मानित अतिथि राजस्थान धरोहर संरक्षण के सीईओ -आईएएस टीकम चन्द बोहरा,प्रदेश उपाध्यक्ष पीसीसी मनोहर लाल गुप्ता,देवस्थान सहायक आयुक्त दीपिका मेघवाल की उपस्थिति में गणपति वंदना के साथ विवाह समारोह आरंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थापक - चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी मानव ने कहा कि जिन दिव्यांग एवं निर्धन परिवारों के भाई-बहनों ने अपनी निशक्तता व गरीबी को दुर्भाग्य मानते हुए गृहस्थी की कभी कल्पना भी न की, वे आज समाज के सहयोग से अपनी

यह साध पूर्ण परम्परागत रीति और भव्यता के साथ पूरी करने जा रहे। राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ महेश जोशी ने संदेश में कहा कि नर सेवा नारायण सेवा ने समाज में मिसाल कायम की है। मैं सभी जोड़ों को वैवाहिक जीवन शुरू करने पर उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि विवाह में राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्यों के दिव्यांग एवं निर्धन जोड़ें में से अधिकतर की संस्थान के अस्पताल में ही दिव्यांगता सुधार की निःशुल्क सर्जरी हुई और यहीं उन्हें स्वावलम्बन एवं पुनर्वास की दृष्टि से रोजगार परक प्रशिक्षण प्राप्त हुए। इन जोड़ों में कोई पांव से तो कोई हाथ से दिव्यांग है।

इसके बाद दूल्हों द्वारा तोरण की रस्म अदा की गई। मंच पर दूल्हा-दूल्हन ने एक-दूजे को वरमाला पहनाई और प्रेशर पम्प ने उन पर गुलाब की पंखुरियो की बौछार की। इस दौरान

समूचा पाण्डाल तालियों और बधाई के समवेत स्वरों से गूंज उठा। इसके बाद 50 वेदी-कुण्डों पर उपस्थित आचार्यो ने मुख्य आचार्य के निर्देशन में वैदिक विधि से पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न करवाया। समारोह में भाग लेने वाले अतिथियों ने परिधान, आभूषण सामग्री जबकि गृहस्थी की सम्पूर्ण सामग्री संस्थान की ओर से प्रत्येक जोड़े को प्रदान की गई। **विवाह ने पर्यावरण संवर्धन एवं स्वच्छता का दिया संदेश**-सभी जोड़ों को उपहार में एक-एक पौधा घर के बाहर लगाने और साफ सफाई रखने के लिये डस्टबीन भेंट किया गया तथा प्रतीक रूप में 5 दिव्यांग जोड़ों से संस्थान परिसर में छायादार पौधे लगवाये गये। विदाई की वेला में जब दुल्हनें डोली में बैठकर साजन के घर जाने के लिए विवाह मण्डप से बाहर आई तो सभी की आंखे नम हो उठीं जोड़ों, ने अतिथियों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। समारोह में सह संस्थापिका कमला देवी जी अग्रवाल ट्रस्टी-निदेशक जगदीश आर्य, देवेन्द्र चौबीसा भी मौजूद थे। संयोजन महिम जैन ने किया।

# दोनों दिव्यांग - बनें हम कदम

हरियाणा के फरीदाबाद जिले का ग्रामुड़ गांव निवासी रविंद्र तीन साल की उम्र में पोलियों ग्रस्त हो गया था। उसकी लाचार जिंदगी का हर दिन उसके लिए नए सबक से कम नहीं था, उसी बीच पिता का साया उठ गया। दुःखी रविंद्र नारायण सेवा संस्थान आया जहां उसने मोबाइल रिपेयरिंग का कोर्स किया।

इसके बाद वह उ.प्र के लखनऊ में रोजगार के लिए गया। जहां एक कोचिंग संस्थान में बबीता से मिलन हुआ। जो एक पांव से दिव्यांग थी और माता -पिता की मृत्यु के बाद अनाथ जिंदगी जी रही थी। दोनों ने जीवन साथी बनने की ठानी पर निर्धनता और दिव्यांगता उनके सपनों के आकार लेनें में बाधा थी। इसी बीच उन्हें नारायण सेवा संस्थान के 38वें सामूहिक विवाह की जानकारी मिली। संस्थान के सहयोग से दोनों दिव्यांग समारोह में शामिल हुए। अब ये हम कदम बन जीवन की राह सुगम बनायेंगे।

बबीता - रविंद्र

# इशारों में समझेंगे दिल की बात

38वें सामूहिक विवाह में परिणय सूत्र में बंधे सुमित्रा और कपिल दोनों मूकबधिर हैं। वे बोल नहीं सकते पर इशारों-इशारों में दिल की बातें करेंगे और गृहस्थी की गाड़ी चलायेंगे।

सुमित्रा पुत्री कुरीलाल बेडनपाड़ा (उदयपुर) और कपिल पुत्र शंकर लाल झाड़ोल (उदयपुर) के निवासी हैं। दोनों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। दोनों के परिवार लोगों के मुँह से गूंगा-गूंगी सुनकर तंग आ चुके थे। कोई भी इनका जीवन साथी बनने को तैयार नहीं था।

इनके माता - पिता अपने बच्चों की शादी के लिए बहुत घूमें, जब अपनी संतान की दिव्यांगता बताते तो निराशा हाथ लगती साथ ही रिश्तेदारों के ताने मिलतें। संस्थान के सामूहिक विवाह से इन्हें आशा जगी। संस्थान की मदद से 29 अगस्त को सुमित्रा एंव कपिल दो शरीर एक प्राण हो गए।

सुमित्रा - कपिल

# मन में विश्वास, कदमों में गति

**सड़क हादसोंअथवा अन्य दुर्घटनाओं में हाथ-पैर खो देने वालों के लिए कृत्रिम अंग, जन्मजात छोटे,टेढ़े-मेढ़े व पोलियोंग्रस्त पांव की सर्जरी अथवा उनके लिए विशेष कैलिपर बनाने के लिए अगस्त में विभिन्न शहरों में निःशुल्क ऑपरेशन चयन, कृत्रिम अंग-कैलीपर माप व वितरण शिविर आयोजित किए गए। जिनमें कृत्रिम अंग 436 व कैलिपर 145 वितरित किए गए। ऑपरेशन के लिए 130 का चयन हुआ, जबकि कृत्रिम अंग व केलीपर बनाने के लिए क्रमशः 122 व 224 दिव्यांगजन के माप लिए गए।**

## करनाल

मानव सेवा संघ के सहयोग से करनाल (हरियाणा) में 28 अगस्त को आयोजित शिविर में 38 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 20 के केलीपर लगाए गए। मुख्य अतिथि मानव सेवा संघ के प्रधान पूज्य स्वामी श्री प्रेममूर्ति जी थे। अध्यक्षता श्री जगदीश लाल जी आहूजा ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सरिता देवी, श्री सतीश शर्मा व श्री राजेन्द्र कुमार जी थे। शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी व सहप्रभारी मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों को सम्मानित किया। कृत्रिम अंग व केलीपर लगाने का कार्य पी.एण्ड.ओ. डॉ. रामनाथ ठाकुर के निर्देशन मे टेक्नीशियन श्री नाथूसिंह व श्री नरेश वैष्णव ने किया।

## अमृतसर

रानी का बाग अमृतसर (पंजाब) स्थित प्राचीन शिवालय में श्री प्रमोद जी भाटिया परिवार के सहयोग से 3 अगस्त को नारायण कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। आठ दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व 2 को केलीपर वितरित किये गए। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा के अनुसार मुख्य अतिथि श्री अशोक जी भाटिया थे। अध्यक्षता डॉ. भगत सिंह जी ने की। विशिष्ट अतिथि यूथवेल कैया फेडरेशन ऑफइंडिया के श्री प्रमोद जी भाटिया, श्री पी.एल. होडा व श्री राजेन्द्र जी शर्मा थे।

## बीकानेर

श्री रायलाल-सुखादेवी निवासी बीकानेर (राज.) के सौजन्य से 5 अगस्त को खेरपुर भवन में कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 34 दिव्यांग बन्धु-बहिनों को कृत्रिम हाथ-पैर व 13 को केलिपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि नगर निगम के पूर्व महापौर श्री महावीर जी रांका व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री शतु जी गहलोत, भगवती प्रसाद जी गौड़,राजाराम जी जाखड पूर्व पाषर्द श्री राठौड़ जी, मधु शर्मा व शाखा प्रेरक श्री सुभाष जी प्रजापत, रावलामंडी थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। कृत्रिम

अंग फिटमेंट का कार्य टेक्नीशियन श्री भगवती पटेल ने किया।

## अलवर

श्री अग्रवाल धर्मशाला में श्री अग्रवाल महासभा, अलवर के सहयोग से 7 अगस्त को निःशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सर्जरी के लिए 15 का चयन किया गया। पीएण्डओ टेक्नीशियन श्री भगवती पटेल ने 7 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 12 के केलिपर बनाने के लिए माप लिए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री बनवारी लाल जी सिंघल थे। अध्यक्षता समाज कल्याण अधिकारी श्री रविकांत जी ने की। शाखाध्यक्ष श्री आर. एस. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री दिनेश जी गुप्ता अध्यक्ष अग्रवाल महासभा, हरिराम जी पुलिस उप अधीक्षक, अनिल जी गर्ग उपाध्यक्ष अग्रवाल महासभा, खेमसिंह जी आर्य, उपशाखाध्यक्ष एनएसएस व रमेश जी शर्मा प्रबंधक बैंक ऑफबड़ौदा थे। संचालन हरिप्रसाद लड्ढा ने किया।

## चुरू

एल. एन. मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट, चुरू (राजस्थान) के सौजन्य से वन विहार कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में 9-10 अगस्त को कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित हुआ। निःशक्तजन आयोग के आयुक्त श्री उमाशंकर जी मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री डॉ. महेश शर्मा अध्यक्ष एल.एन. मेमोरियल ट्रस्ट,डॉ. तमन्ना शर्मा, अरविंद ओला व शंकरलाल दीक्षित थे। अध्यक्षता राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रिहान ने की। शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान करते हुए संस्थान की सेवाओं की जानकारी दी। अतिथियों ने 56 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 33 को केलीपर वितरित किए। पीएण्डओ रितुपर्णा व टेक्नीशियन नाथूसिंह ने कृत्रिम अंग लगाए।

## पाली

संस्थान की पाली (राजस्थान) शाखा के तत्वावधान में 13 अगस्त को बापू नगर स्थित रोटरी क्लब में आयोजित शिविर में 9 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व 8 को केलीपर देने के लिए टेक्नीशियन श्री किशन सुथार ने माप लिए। शाखा संयोजक श्री कांतिलाल जी ने मुख्य रोटरी क्लब निर्देशक श्री गौतम चंद्र जी कवाड, विशिष्ट अतिथि सर्वश्री अर्जुन जी मेहता, राजू जी मेडतिया व सचिव वर्धमान जी भंडारी तथा शिविर अध्यक्ष श्री अमरचंद जी बोहरा का स्वागत-सम्मान व संचालन हरिप्रसाद लड्ढा ने किया।

## चंद्रपुर

पंजाबी समाज सेवा समिति, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) में 16-17 अगस्त को कृत्रिम अंग वितरण शिविर श्री अजय जी कपूर के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें 150 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 37 को केलीपर लगाए गए। टेक्नीशियन नरेश वैष्णव व करण मीणा ने पी.एण्ड.ओ. रामनाथ

ठाकुर की देखरेख में कृत्रिम अंग लगाए। शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री थे।

## धामणगांव

टीएमसी हॉल, धामणगांव (महाराष्ट्र) में 17-18 अगस्त को महाराष्ट्र राज्य दिव्यांग बेरोजगार संघटना एवं हात फाउंडेशन, धामणगांव के सहयोग से 105 दिव्यांगजन को क्रमशः 77 कृत्रिम अंग व 28 केलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री वीरेन्द्र जी जगताप थे। अध्यक्षता श्री सुनील जी सैतवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री प्रदीप जी बाजड़ अध्यक्ष, आधार फाउंडेशन, प्रशांत जी झाड़े अध्यक्ष, दिव्यांग बेरोजगार संघटना, सुजित जी भुजभुजे अध्यक्ष, हात फाउंडेशन, दिनेश वाघमारे अध्यक्ष, आदर्श फाउंडेशन व सुश्री नेहा भुजभुजे थी। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। कृत्रिम अंग लगाने में पी.एण्ड.ओ. रितुपर्णा व भवंरसिंह ने सहयोग किया।

## नीम का थाना

संस्थान के तत्वावधान में सीकर (राजस्थान) जिले के नीम का थाना के कपिल कुंज में श्री संजय जी मोदी के सहयोग से 20 अगस्त को निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं ऑपरेशन चयन शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें ऑपरेशन के लिए डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने 11 व 6 का कैलीपर लगाने के लिए चयन किया। मुख्य अतिथि आरएसएस के प्रांत प्रचारक श्री शैलेन्द्र जी थे। अध्यक्षता कपिल मोदी फांउडेशन के संजय जी मोदी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री विष्णु जी चेतानी, विश्वेन्द्र जी, शाखा प्रेरक खेतड़ी पवन जी कटारिया व गजेन्द्र जी मोदी थे। संचालन श्री मुकेश शर्मा ने किया।

## मालेर कोटला

महावीर इन्टरनेशनल एवं मानव निष्काम सेवा समिति के संयुक्त सौजन्य से बालाजी मंदिर तालाब रोड परिसर मालेरकोटला (पंजाब) में दो दिवसीय शिविर 21-22 अगस्त को सम्पन्न हुआ। जिसमें क्षेत्रीय विधायक श्री जमील-उर-रहमान मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता महावीर इन्टरनेशनल के सचिव श्री अनिल जैन ने की। अतिथियों के सानिध्य में 73 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 13 को केलीपर लगाए गए। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सर्वश्री राजिन्दर जी टिना नानगल, श्री लक्ष्यराज जी जैन, विवेक जी जैन व इन्द्रजीत सिंह जी मुड़े थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

## ऊना

बाबा बालजी महाराज आश्रम, कोटला कलां ऊना (हि.प्र.) में 24 अगस्त को सम्पन्न शिविर में पी.एण्ड.ओ. रितुपर्णा व टेक्नीशियन श्री नरेश वैष्णव ने 46 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 14 को कैलीपर लगाए। मुख्य अतिथि राधाकृष्ण मंदिर के राष्ट्रीय संत श्री बाबा बालजी महाराज व विशिष्ट अतिथि समाज सेवी डॉ. नरेन्द्र जी थे। हिमोत्कर्ष सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित शिविर की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष डॉ. शिवपाल जी ने की। संस्थान शाखा हमीरपुर के संयोजक श्री रसील जी मनकोटिया ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। संचालन शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

## शिरपुर

महाराष्ट्र के धुले जिले के शिरपुर में संस्थान के तत्वावधान एवं श्री भूपेश जी पटेल के सहयोग से 25-26 अगस्त को राजगोपाल चंदूलाल

भंडारी हॉल में कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 678 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी.एण्ड.ओ. रोली शुक्ला, धीरज जोशी व टेक्नीशियन भंवरसिंह, किशन सुथार, चुन्नीलाल एवं नक्षत्रमल ने 67 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग बनाने तथा 176 के केलीपर बनाने का माप लिया गया। डॉ. रविन्द्र सिंह ने दिव्यांगता निवारण सर्जरी के लिए जांच कर 104 का चयन किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री काशीराम जी दादा पावरा थे। अध्यक्षता सौजन्यकर्त्ता श्री भूपेश जी पटेल ने की। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष श्री तुषार जी रहें, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती भुवनेश्वरी देवी, एसईएस सोसायटी के अध्यक्ष श्रीमान् राजगोपाल चन्दूलाल भंडारी, नगरसेवक श्री प्रभाकर राव साहेब, मंडी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह सिसोदिया व श्री के. डी. पाटिल थे। शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद लड्ढा थे। संचालन श्री ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

## देश के विकास में अहम धुरी होंगे दिव्यांगः केंद्रीय मंत्री मंडाविया

### प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर नई दिल्ली में नारायण सेवा संस्थान का शिविर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72वें जन्मदिन पर लाल किला प्रांगण में आयोजित निःशुल्क मेगा हेल्थ केम्प में दिव्यांगजन के हितार्थ 17 सितम्बर को विशाल सेवा शिविर लगाया गया। जिसका उद्घाटन केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख जी मंडाविया ने किया।

संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि सेवा शिविर में दिव्यांगता निवारण सर्जरी के लिए 30 दिव्यांगों का चयन एवं अत्याधुनिक कृत्रिम अंग बनाने के लिए 36 दिव्यांगजन के हाथ-पैर का नाप लिया गया। इसके साथ ही 15 ट्राइसाइकिल, 20 व्हीलचेयर, 102 वैशाखी, 20 वॉकिंग स्टीक, 5 सिलाई मशीनें व 5 मोबाईल सुधार किट वितरित किए गए। मुख्य अतिथि मंडाविया का संस्थान निदेशक देवेंद्र चौबीसा एवं टीम ने मेवाड़ की पाग, श्रीनाथ जी का उपरना व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

अपने उद्घाटन सम्बोधन में मंडाविया जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता कि ओर कदम बढ़ा रहा है। दिव्यांगजन की सुविधाओं व उनके स्वावलम्बन की दिशा में भी पिछले आठ वर्षो में महत्वपूर्ण काम हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन देश के विकास की अहमधुरी होंगे। उन्होंने संस्थान के इस दिशा में योगदान की सराहना करते हुए दिव्यांगजन के हितार्थ निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में लव कुश रामलीला कमेटी के सत्यभूषण जैन,पवन गुप्ता, अर्जुन कुमार, सुभाष गोयल विशिष्ट अथिति के रूप में मौजूद थे।

# अलवर में आत्मीय स्नेह मिलन

संस्थान की अलवर (राजस्थान) शाखा के तत्वावधान में 21 अगस्त को श्री अग्रवाल महासभा के सहयोग से अग्रवाल धर्मशाला में आत्मीय स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें दिव्यांगजन की सेवा में समर्पित संस्थान सहयोगियों - भामाशाहों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री बनवारी लाल जी सिंघल ने पैरा - ऑलम्पिक में 100 मीटर की रेस में स्वर्ण पदक प्राप्त विनोद साहू का भी अभिनन्दन किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती लता सिंघल, श्री दिवाकर सिंघल एवं श्री सुखवीर सिंह सोलंकी, श्री खेम सिंह आर्य, श्री अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, मंत्री श्री रमेश चन्द्र सिंघल, श्री प्रमोद गुप्ता व एडवोकेट सुशील बंसल थे। अतिथियों का स्वागत - सम्मान शाखाध्यक्ष आर. एस. वर्मा, शाखा विभाग प्रभारी राजेन्द्र सिंह सोलंकी, कार्यक्रम संयोजक महेश दईया व श्री सुरेश नागपाल ने किया। मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों व भामाशाहों ने संस्थान की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें ईश्वरीय कार्य बताया। ऐश्वर्य त्रिवेदी ने संचालन करते हुए संस्थान के देश-विदेश में निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की विस्तार से जानकारी दी।

## दिव्यांग व्हील चेयर क्रिकेट टीम का सम्मान

'क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित **IWPL Season** - 3 प्रतियोगिता में विजेता चैम्पियन राजस्थान रजवाड़े टीम का 'सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। जिसमें टीम के कोच एवं सभी खिलाड़ियों को पगड़ी एवं उपरना पहना कर संस्थान की ओर से उनका सम्मान किया गया एवं शुभकामनाओं के साथ सम्मान-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई! पूरी टीम को उदयपुर संस्थान में पधारने व अवलोकन के लिए आमन्त्रित किया।

### सेवक प्रशान्त भैया

# सेवा की अलख जगाने पहुंचे अमेरिका

## 10 दिवसीय यात्रा में हुए कई आयोजन

मानव सेवा की मशाल जलाने परम पूज्य गुरुदेव कैलाश जी मानव से आशीर्वाद लेकर संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया 10 दिवसीय यात्रा के लिए 9 सितम्बर को यू.एस.ए. पहुंचे। संस्थान के शुभचिन्तकों एवं सदस्यों ने अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। दिनांक 10 दिसम्बर को सोहन चढ्ढा, डॉ. रुचि अग्रवाल एवं मुकेश पटेल के प्रयासों से रिचर्ड प्रेसर पार्क न्यूयार्क में आयोजित ''नारायण सेवा वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट'' में शरीक हुए। जहां 12 महिला क्रिकेट टीमों के बीच 12 मुकाबले हुए। पिंक पेन्थर्स टीम विजय रही। फाइनल विजयी टीम ने सहयोग राशि संस्थान के सेवा कार्यों के लिए न्यौछावर की। विवेक गुप्ता, रिंकू सिंह, राजीव बक्शी, दिलीप शर्मा, तनेजा जी सहित न्यूयार्क, न्यू जर्सी एवं कनेक्टिकट से आए भारतीय मूल के संस्थान हितैषी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। 11 सितम्बर को दोपहर में हिक्सविली-न्यूर्याक तथा शाम को एडीसन-न्यू जर्सी, 15 सितम्बर को ब्ल्यूफोर्ड-जॉर्जिया, 17 सितम्बर को ऑरेन्ज लॉस एन्जेलिस तथा 18 सितम्बर को शिकांगो में अपनो से अपनी बात का आयोजन हुआ।

# झीनी-झीनी रोशनी (41)

**नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।**

इधर तो मैं उस लड़के का ऑपरेशन कर रहा था और इधर इसका चीखना चिल्लाना। पूरी रात सभी मरीज परेशान हो गये। डॉ. के मुंह से लड़के का जिक्र सुनते ही कैलाश को यहां आने का अपना मूल कारण याद आया और वह पूछ बैठा-वह लड़का कैसा है, ऑपरेशन ठीक हो गया? डॉ. ने बताया कि ऑपरेशन बहुत बड़ा था मगर अच्छा हो गया। लड़का होश में आ गया है और सो रहा है। दोनों के बीच यह बातचीत चल रही थी तभी उस स्त्री का चिल्लाना फिर बढ़ गया। डॉक्टर ने कैलाश को कहा कि इसे समझा दो चुप रहे वरना इसके पति को बिना ईलाज ही डिस्चार्ज कर देंगे। यह कह कर डॉक्टर आगे बढ़ गये। कैलाश उस स्त्री के पास गया और सांत्वना देने लगा, मगर वह बजाय चुप होने के और जोर-जोर से रोने लगी, विलाप करने लगी-मेरा क्या होगा, मैं कहां जाऊंगी। कैलाश के कुछ समझ में नहीं आया कि वह क्या करे। उसके मन में उस लड़के को देखने की भी उत्कण्ठा थी मगर डॉक्टर उसे इस स्त्री का जिम्मा दे गये थे, तभी कैलाश को एक युक्ति सूझी। उसने स्त्री को कहा-माताजी, आप मेरे साथ आईये, मैं एक चीज आपको बताता हूं। कैलाश का प्रस्ताव सुन स्त्री चुप हो गई, उसे शायद समझ में नहीं आ रहा था कि ये मुझे कहां ले जाना चाहते हैं, कैलाश के साथ चल पड़ी, मगर कुछ कदम चलने के बाद शायद उसे याद आया तो वह वापस रोने लगी।

कैलाश उस वार्ड में गया जहां ऑपरेशन के बाद उस लड़के को रखा गया था, स्त्री भी रह रह कर रोती हुई उसके पीछे पीछे आई। एक पलंग पर वह लड़का सोया हुआ था। उसका पूरा शरीर चद्दर से ढका हुआ था। लड़का नींद के आगोश में था, उसके चेहरे की शान्ति देख कर कोई अनुमान तक नहीं लगा सकता था कि एक दिन पूर्व ही उसका इतना बड़ा ऑपरेशन हुआ है। कैलाश उसके पलंग के पास खड़ा हो गया और स्त्री से बोला-देखिये माताजी, इस लड़के को देखिये, कितनी शान्ति से सो रहा है जैसे इसके कुछ हुआ ही नहीं हो, यह कहते हुए कैलाश ने एकदम से उसकी चद्दर उघाड़ दी। अब हाथ पांव कटा युवक पलंग पर नजर आ रहा था, उसे देखते ही स्त्री अपना रोना भूल अवाक रह गई और सुध आते ही पूछ बैठी इसे क्या हो गया?

क्रमशः

## संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री मदन मोहन धस्माना, बरेली (उत्तर प्रदेश)

श्री बलवीर सिंह दिल्ली

श्रीमती उषा वालिया दिल्ली

श्री सुरेन्द्र सिंह दिल्ली

श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव, भोपाल (मध्य प्रदेश)

स्व. श्रीमती कमला गुप्ता, हरदोई (उत्तर प्रदेश)

स्व. श्री के.डी. वैश्य लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

श्री पदम चन्द मुनोत श्रीमती राजु बाई बैंगलोर (कर्नाटक)

श्री महावीर चन्द चौपड़ा श्रीमती चंचल चौपड़ा, बैंगलोर (कर्नाटक)

श्री मनोहर एम. श्रीमती मेइना एम. मैसुर (कर्नाटक)

स्व. अशोक कुमार खारीवाल श्रीमती विमला कुमारी, बैंगलोर

श्री बचन लाल शर्मा एवं स्व. श्रीमती बिमला देवी देरा बस्सी,चंडीगढ़

श्री रामेश्वर लाल कुमावत एवं स्व. श्रीमती रामा देवी, जयपुर (राज.)

### शाखा प्रेरणा स्त्रोत अगस्त 2022

शाखा संयोजक
श्री ज्ञानचन्द शर्मा हमीरपुर (हि.प्र.)

सेवा प्रेरक
श्रीमती शीला त्रयंबकारो बोपाटे बुलढ़ाणा (महाराष्ट्र)

सेवा प्रचारक
श्री एम.बी. कपूर अम्बाला (हरियाणा)

### हार्दिक श्रद्धांजलि

संस्थान की सम्माननीय दानदाता अम्बाला केन्ट निवासी स्व. श्रीमती ऊषा रानी जी का आकस्मिक निधन दिनांक 14 अगस्त-2022 को हो गया। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक कैलाश जी 'मानव' ने श्रीमती ऊषा रानी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दुःखित स्वर में कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वे अपने पीछे शोकाकुल पति श्री जे.सी. गुप्ता व 3 पुत्रियों, 1 पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

## कार्यशाला

# फिटमेंट ऑफ ट्रान्सटिबियल मोड्यूलर प्रोस्थेसिस प्रशिक्षण

नारायण सेवा संस्थान में आयोजित चार दिवसीय फिटमेंट ऑफ ट्रान्सटिबियल मोड्यूलर प्रोस्थेसिस कार्यशाला सेवामहातीर्थ परिसर में 11 सितम्बर सम्पन्न हुई। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम जर्मनी की ऑटो-बॉक कम्पनी के ट्रेनर डॉ. संतोष राउत के निर्देशन में हुआ। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि संस्थान में संचालित फेब्रीकेशन यूनिट को और अधिक उन्नत और तकनीक रूप से समृद्ध बनाने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के लगभग 25 सदस्य डॉक्टर्स एवं टेक्नीशियन ने हिस्सा लिया। पीएण्डओ डॉ. मानस रंजन साहू ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान विभाग को प्रोस्थेसिस फीटिंग कार्य प्रणाली को समझाने के लिए 4 टीमों में बांटा गया। प्रत्येक को घुटने के नीचे से पांव कटे हुए पेशेन्ट की विकृति का अध्ययन करवाते हुए उनका मेजरमेंट लेते हुए प्रोस्थेसिस फीटिंग की गई। डॉ. रोली मिश्रा और डॉ रितुपर्णा नायक का कहना है कि इससे हमारी टीम की स्किल में सुधार हुआ है और बेहतर तकनीक के साथ दिव्यांग भाईयों को मदद पहुंचाई जा सकेगी। संस्थान में बनने वाले कृत्रिम हाथ-पैर दिव्यांगों के लिए और सुविधाजनक साबित होंगे।

# अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राह

**कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं**

## चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

## स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

# त के विभिन्न आयाम

## सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

## सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर
- रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

# भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

## राजस्थान

### पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

### भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

### बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर ( राज. )

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

### अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

### जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

### अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

### बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

## झारखण्ड

### हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

### रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

### धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

## गोवा

### गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

## मध्य प्रदेश

### उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

### रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

### जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

### मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

### भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

### बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

## हरियाणा

### कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

### सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

### जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

### पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

### फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

### करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

### अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला कैन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री ( क्लॉथ मर्चेन्ट )
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

### नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

## महाराष्ट्र

### आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

### परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

### नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

### पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

### मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

### भायंदर
श्री कमलचंद लोढ़ा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर ( पश्चिम ) ठाणे-401101

### बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली ( ई. ) 400066

## हिमाचल प्रदेश

### हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

## गुजरात

### अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

## उत्तर प्रदेश

### बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर ( चहवाई ) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

### भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

### हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

### हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

### गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

## छत्तीसगढ़

### दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछर, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

### बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

### बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

## जम्मू/कश्मीर

### जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

### डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भदवा, डोडा

## दिल्ली

### शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

# नारायण सेवा केन्द्र

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103,
ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस.,
लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1,
गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

**नागपुर**

08306004806, प्लॉट नंबर 37,
गोरले ले आउट,गोपाल नगर,
दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

**पूणे**

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

### दिल्ली

**रोहिणी**

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव
शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8,
रोहिणी, दिल्ली -110085

**जनकपुरी, नई दिल्ली**

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

### बिहार

**पटना**

मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

### हरियाणा

**चण्डीगढ़**

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

**गुरूग्राम**

08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ.
कैम्प चौक,गुरुग्राम -122001

**हिसार**

07023003320,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

**करनाल**

मो.: 8306004815, मकान न. 415,
सेक्टर-6, करनाल 132001

### (कर्नाटक)

**बेंगलुरू**

09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 ( 12 ) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

### पंजाब

**लुधियाना**

07023101153
50/30-ए, राम गली, नीरीमल बाग
भारत नगर, लुधियाना ( पंजाब )

### उत्तर प्रदेश

**प्रयागराज**

09351230393, म.न . 78/बी,
मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

**मेरठ**

08306004811, 38, श्री राम पैलेस,
दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

**लखनऊ**

. 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

### मध्य प्रदेश

**ग्वालियर**

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सड़क,
लश्कर,ग्वालियर 474001

**भोपाल**

095299 20089
ए -846, न्यू अशोका
गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास,
रायसन रोड, भोपाल - 462023

### वेस्ट बंगाल

**कोलकाता**

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

### गुजरात

**सूरत**

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

**वडोदरा**

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298,
वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास,
वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

### राजस्थान

**जोधपुर**

08306004821
मेड़ती गेट के अंदर,कुचामन
हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

**कोटा**

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5
तलवंडी, कोटा ( राज. ) 324005

**जयपुर**

08696002432, बी-16 गोविन्ददेव
कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे,
गणगौरी बाजार,जयपुर

**नाथद्वारा**

मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे
श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड
के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

# नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

### दिल्ली

**फतेहपुरी**

09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

**शाहदरा**

बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा,
दिल्ली-32

### उत्तर प्रदेश

**हाथरस**

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

**मथुरा**

07023101163, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

**अलीगढ़**

07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

**मोदीनगर**

आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प
के पास, मोदी बाग के सामने
मोदीनगर -201204

**बरेली**

मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर,
जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

**लोनी**

09529920084, दानदाता :
डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
( मोक्षधाम मन्दिर ) के पास लोनी,
गाजियाबाद

**गाजियाबाद**

( 1 ) 07073474435,8588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

( 2 ) 07073474435,8588835716
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

**आगरा**

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 ( उ.प्र. )

### राजस्थान

**जयपुर**

09928027946, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

### गुजरात

**अहमदाबाद**

9529920080, 8306008208
ओ.बी. 3/27 गुजरात
हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर,
4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड,
बापूनगर, अहमदाबाद-24

**राजकोट**

09529920083, भगत सिंह गार्डन के
सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति
कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी
रोड,राजकोट

### तेलंगाना

**हैदराबाद**

09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

### उत्तराखण्ड

**देहरादून**

07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**

09529920090,ओसवाल
बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर
ईस्ट मुम्बई - 401105

### मध्य प्रदेश

**रतलाम**

दत्ता कृपा महात्मा
गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी
बैंक के पीछे, स्टेशन रोड,
रतलाम - 457001 ( म.प्र. )

**इन्दौर**

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

### छत्तीसगढ़

**रायपुर**

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

### हरियाणा

**अम्बाला**

07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

**कैथल**

09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

# दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

**कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..**

## जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

| ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि | ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि |
|---|---|---|---|
| 501 ऑपरेशन के लिए | 17,00,000 | 40 ऑपरेशन के लिए | 1,51,000 |
| 401 ऑपरेशन के लिए | 14,01,000 | 13 ऑपरेशन के लिए | 52,500 |
| 301 ऑपरेशन के लिए | 10,51,000 | 5 ऑपरेशन के लिए | 21,000 |
| 201 ऑपरेशन के लिए | 07,11,000 | 3 ऑपरेशन के लिए | 13,000 |
| 101 ऑपरेशन के लिए | 03,61,000 | 1 ऑपरेशन के लिए | 5000 |

## निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

| आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति<br>( हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें ) | |
|---|---|
| नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि | 37000/- |
| दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि | 30000/- |
| एक समय के भोजन की सहयोग राशि | 15000/- |
| नाश्ता सहयोग राशि | 7000/- |

## दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

| दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार | | | | |
|---|---|---|---|---|
| वस्तु | सहयोग राशि (एक नग) | सहयोग राशि (तीन नग) | सहयोग राशि (पाँच नग) | सहयोग राशि (ग्यारह नग) |
| तिपहिया साईकिल | 5000 | 15,000 | 25,000 | 55,000 |
| व्हील चेयर | 4000 | 12,000 | 20,000 | 44,000 |
| कैलिपर | 2000 | 6,000 | 10,000 | 22,000 |
| वैशाखी | 500 | 1,500 | 2,500 | 5,500 |
| कृत्रिम हाथ/पैर | 10000 | 30,000 | 50,000 | 1,10000 |

## गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

| मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि | |
|---|---|
| 1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500 | 3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500 |
| 5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500 | 10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000 |
| 20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000 | 30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000 |

| शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद | |
|---|---|
| एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग | 11,00/- |
| एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग | 11,000/- |
| एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष) | 1,00,000/- |

## अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

| | | | |
|---|---|---|---|
| STATE BANK OF INDIA | -H.M.Sector-4 | SBIN0011406 | 31505501196 |
| ICICI Bank | -Madhuban | ICIC0000045 | 004501000829 |
| PUNJAB NATIONAL BANK | -KalajiGoraji | PUNB0297300 | 2973000100029801 |
| UNION BANK OF INDIA | -UdaipurMain | UBIN0531014 | 310102050000148 |

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi
संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

### अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

### आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

## सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

**आदरणीय अध्यक्ष महोदय,**

**मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....**

**उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶.....**

**संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप ..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।**

**पूर्ण पता ▶.....**

**जिला .....पिन कोड .....राज्य .....**

**मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....**

**हस्ताक्षर**

# नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

## अंग्रेजी माध्यम
## मान्यता प्राप्त निःशुल्क डिजिटल शिक्षा

गरीब एवं शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षित करने का संकल्प...
आपके छोटे से सहयोग से गरीब का बच्चा होगा शिक्षित...

**सन 2015 से संचालित**

## अब तक 1276 बच्चे लाभान्वित

UPI narayanseva@sbi

**एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग 11,000/-**

Seva Soubhagya 1 October, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 36 ( No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-